

[श्री चन्द्रपाल शैलानी]

वीडियों प्रदर्शन के साथ-साथ वीडियों लाइब्रेरियां अचानक दर्जनों की संख्या में खुल गई हैं। ये लाइब्रेरियां दो सौ रुपये वार्षिक सदस्यता शुल्क के रूप में लेती हैं और पंद्रह रुपये प्रतिदिन की दर से वीडियों कैसेट तथा डेढ़ सौ रुपये प्रतिदिन की दर से वीडियो कैसेट रिकार्डर किराए पर देती हैं। इस अव्यवस्था वीडियो व्यापार के कारण केवल उ. प्र. सरकार को कम दस करोड़ रु. वार्षिक की क्षति उठानी पड़ रही है किन्तु मनोरंजन कर विभाग इस दिशा में कुछ भी नहीं कर रहा है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि ऐसी फिल्में देखने और दिखाने वालों तथा इस प्रकार के अव्यवस्थाओं में लगे लोगों के खिलाफ तुरन्त कड़े कानून बना कर कार्यवाही की जाए।

(iv) Need For Setting Up Industries In Gorakhpur (Uttar Pradesh) To Remove Poverts From That Area.

श्री महावीर प्रसाद (बांसगांव) : आप के माध्यम से केन्द्रीय सरकार का ध्यान मैं संसदीय निर्वाचन क्षेत्र बांसगांव, गोरखपुर के पिछड़ेपन एवं गरीबी को दूर करने के लिए विशेष रूप से औद्योगिकीकरण की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। यहाँ प्रत्येक वर्ष धाधरा, कुआनो, तरेना, गनगरी, राप्ती एवं गौरां नदियां से बाढ़ आया करती है और इस भयंकर बाढ़ से लाखों लोग बेधर हो जाते हैं और रोजी रोटी के लिए दर दर मार खाते हैं एवं सूखा भी भयंकर रूप से प्रभावित करता रहता है। फलस्वरूप कृषि कम हो जाती है। इस कमी के कारण आबादी का भार कृषि पर अधिक हो जाने से अधिकांश लोग भुखमरी के शिकार हो जाते हैं। इसी से प्रभावित हो कर प्रान्तीय

सरकार ने मेरे निर्वाचन क्षेत्र को पिछड़ा हुआ क्षेत्र घोषित किया है। लेकिन इस घोषणा के बाद भी राज्य सरकार ने इस विषय पर अभी तक ध्यान नहीं दिया है। इसी संदर्भ में गत वर्ष मैंने केन्द्रीय सरकार से भी निवेदन किया था कि इसे पिछड़ा क्षेत्र घोषित करके उद्योग लगाएं। लेकिन अभी तक केन्द्रीय सरकार ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। मौभाग्यवश इस क्षेत्र में अनेक प्रकार के कच्चे माल उपलब्ध हैं।

लेकिन अभाग्यवश इस क्षेत्र में न तो सार्वजनिक क्षेत्र में, न निजी क्षेत्र में, न सहकारी क्षेत्र में और न संयुक्त क्षेत्र में कोई उद्योग लगाया गया है। अतः आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार से निम्न निवेदन करना चाहता हूँ कि इस निर्वाचन क्षेत्र को पिछड़ा हुआ क्षेत्र घोषित किया जाए तथा उरुवा बड़हलगांज के बीच में सूती मिल, गन्ने की मिल, पांडेपुर में ऊनी मिल, चोरी-चोरा में चमड़े का कारखाना लगाया जाए, जिससे इस क्षेत्र का पिछड़ापन दूर हो सके।

(v) Need To Give More Time For Telugu Programmes Over The TV And AIR

*SHRI P. PENCHALAIHAH (Tirupathi) : Telugu is the largest spoken language in the country after Hindi. In addition to 6 crores of people living in Andhra Pradesh, there are a large number of Telugu people living in other parts of the country. But, unfortunately, this language is being neglected both on AIR and TV. Telugu programmes telecast on hook up during 15-8-82 to 31-3-83 were only of 30 minutes duration out of 365 hours. It is barely 0.1% whereas other regional languages got a major share. Telugu is a sweet language and known as the Italian of the East, Even the non-Telugu people do not find it difficult to understand. Moreover, Telugu happens to be the language in

which the largest number of feature films were produced this year. Unlike the movies produced in other languages, Telugu movies are readily welcomed by family viewers throughout the country. There is no dearth in variety of programmes produced and presented in Telugu. Hence, it should not be difficult for Delhi and other Doordarshan Kendras and AIR to feature or broadcast them.

Hence I request the Hon. Minister of Information and Broadcasting to raise the time duration of Telugu programmes of National hookup on TV and to broadcast more Telugu programmes over AIR. Also I request for the allotment of more time for Telugu programmes over Delhi Doordarshan and other prominent Kendras.

(vi) Deterioration in the Working of Telephones in Patna (Bihar)

SHRI RAMAVATAR SHASTRI (Patna): There are 6 Telephone exchanges in Patna but the largest number of telephones i.e., 6,000 are in the telephone exchange which is situated in the premises of the General Post Office. The entire exchange was submerged in the devastating flood of 1975. It was required to change the entire exchange but it was partly repaired. The life of that exchange has expired. Therefore, it needs to be replaced at the earliest.

Out of 14,500 connections, 3,000 have already been declared as useless but no new lines have been provided in their place. 2,500 people are in the waiting list for a long time.

Today, most of the telephones in Patna remain out of order. When the telephones of V.I.Ps and Government officials remain out of order, then the situation regarding other people can only be imagined. The situation has deteriorated so much that even 197, 198, 199 and 180 etc are also not available.

About two years back, it was decided to instal an Electronic Exchange having a capacity of 8,000 telephones in Patna.

I urge the Communications Minister to bring about improvement in telephone system in Patna. He should make arrangements for installation of a new exchange in place of the present exchange which was installed in 1952-53, increase the capacity of telephones, make arrangements to provide connections to the persons in the waiting list, commission an electronic exchange having the capacity of 8,000 lines and instal new exchanges.

(vii) Admission of S.C. and S.T. Students in Jawaharlal Nehru University and Need for a Visitorial Enquiry into its Working.

प्रो. अजित कुमार मेहता (समस्तीपुर): उपाध्यक्ष महोदय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना आदर्श विश्वविद्यालय के रूप में हुई थी। इसकी विशिष्टता के बावजूद विश्वविद्यालय की प्रवेश नीति में कुछ लोकतांत्रिक तत्व थे, जिनके कारण पिछड़े वर्गों और क्षेत्रों के छात्रों का भी दाखिला इसमें संभव हो पाता था, जो कुछ लोगों को असह्य था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुशंसा के आधार पर यहां के कुल तीन हजार छात्रों में अनुसूचित जातियों तथा जन-जातियों की संख्या 20 प्रतिशत यानी 600 होनी चाहिए थी, किन्तु है केवल 316/350 प्राध्यापकों में केवल चार ही अनुसूचित जाति के हैं। सितम्बर 1982 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशें लागू करने के अधिकारियों के आश्वासन के बावजूद भी अक्टूबर 1982 में प्राध्यापकों की भरती के विज्ञापन में आरक्षण का प्रावधान नहीं किया गया।

इसी बीच शिक्षा के स्तर के नाम पर नामांकन के समय पिछड़े क्षेत्र के पिछड़े छात्र प्रवेशार्थियों को दी जाने वाली चार पायंट्स की सुविधा को वापस लिया जाना संकेत करता है कि उनकी नगण्य संख्या को